वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 231 | गुरुवार 18 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

श्रमण संस्कृति संस्थान बालिका छात्रावास सांगानेर में त्रिशाला संभाग ने 40 रजाईया भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा संचालित संत सुधा सागर बालिका छात्रावास सांगानेर में श्री दिगम्बर जैन महासमिती त्रिशला संभाग की तरफ से 40 रजाइयां भेंट की गई। इसके मुख्य सहयोग करता त्रिशला संभाग की सदस्या श्रीमती शशि अजित जी तोतूका रही। कार्यक्रम में छात्रावास अधिष्ठात्री श्रीमती शीला डोडिया, त्रिशला संभाग की अध्यक्षा श्रीमती रेनू पांण्डया , मंत्री छवि जैन तथा संभाग सदस्य गौरवमय उपस्थिति रही।

वरुण पथ महिला मंडल के चुनाव में श्रीमती सुशीला टोंग्या सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनी गई

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर जैन महिला मंडल वरुण पथ जयपुर की नवीन कार्यकारिणी के लिए सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न हुए। दिनांक 17 .12. 2025 को चुनाव अधिकारी श्रीमती सुशीला जैन (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिगंबर जैन महासमिति) एवं मंदिर समिति के अध्यक्ष एम .पी. जैन कोषाध्यक्ष कैलाश जी सेठी पर्यवेक्षक के सानिध्य में चुनाव संपन्न हुए।परम संरक्षक चंद्रकांता छाबड़ा, संरक्षक मिथिलेश गोधा, परामर्शक शशि सेन जैन एवं हीरामणि छाबड़ा के सानिध्य में अध्यक्ष पद पर डॉ. सुशीला जैन टोंग्या, मंत्री पद पर हिमानी जैन, कोषाध्यक्ष पद पर वीणा जैन एवं मनोनीत पदाधिकारियो को चुनाव अधिकारी द्वारा शपथ दिलवाई गई।

सफलता की कसौटी: संघर्ष, धैर्य और परिश्रम

सफलता कोई आकस्मिक घटना नहीं है, बल्कि यह निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और जीवन की कठिन कसौटियों से गुजरने का परिणाम होती है। जो व्यक्ति संघर्ष से घबराता नहीं, धैर्य को अपना साथी बनाता है और परिश्रम को जीवन का आधार बनाता है, वही सच्चे अर्थों में सफल कहलाता है। संघर्ष सफलता की पहली कसौटी है। जीवन में कठिन परिस्थितियाँ व्यक्ति को तोड़ने नहीं, बल्कि उसे निखारने आती हैं। संघर्ष हमें हमारी क्षमताओं से परिचित कराता है और भीतर छिपी शक्ति को जागृत करता है। बिना संघर्ष के प्राप्त सफलता क्षणिक होती है, जबकि संघर्ष से उपजी सफलता स्थायी और संतोष देने वाली होती है। धैर्य संघर्ष के मार्ग पर चलने की शक्ति देता है। कई बार प्रयासों के बाद भी परिणाम तुरंत नहीं मिलते, तब धैर्य ही हमें निराशा से बचाता है। धैर्य सिखाता है कि समय के साथ परिश्रम का फल अवश्य मिलता है। जो व्यक्ति धैर्य खो देता है, वह मंज़िल के निकट पहुँचकर भी हार मान लेता है। परिश्रम सफलता का मूल मंत्र है। सपने तभी साकार होते हैं जब उन्हें मेहनत की नींव पर खड़ा किया जाए। परिश्रम न केवल लक्ष्य तक पहुँचाता है, बल्कि व्यक्ति के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करता है। निरंतर और ईमानदार परिश्रम ही साधारण व्यक्ति को असाधारण बना देता है। अंततः कहा जा सकता है कि सफलता की कसौटी संघर्ष से गुजरने की हिम्मत, धैर्य बनाए रखने की क्षमता और निरंतर परिश्रम करने के संकल्प से तय होती है। जो इन तीनों को अपने जीवन में आत्मसात कर लेता है, सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है। -**अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर।**

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा...

मुसीबत आये तो होश ना खोयें और खुशी आये तो जोश पर कन्ट्रोल करें

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गुरुदेव अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज जी एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ की अहिंसा संस्कार पदयात्रा भारत मंडपम दिल्ली से तरुणसागरम तीर्थ गाजियाबाद की ओर चल रही है उसी श्रृंखला आज यह अहिंसा संस्कार पदयात्रा दिनांक 17 दिसम्बर 2025, बुधवार सुबह 7 बजे 14, सत्यवती कुटी जैन मंदिर, वृंदावनगार्डन ईस्ट, राज बाग, साहिबाबाद, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धन्वंतरि हॉस्पिटल के पास में, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद पहुंची और शाम में तरुणसागरम तीर्थ पर पहुंची। आज उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि जिस तरह खुशी और मुसीबत बिना किसी अपॉइंटमेंट के आ जाती है, उसी तरह अपने आप को हमेशा तैयार रखें.. मुसीबत आये तो होश ना खोयें और खुशी आये तो जोश पर कन्ट्रोल करें। बहुत कम लोग हैं जो आप बीती और पर बीती को ठीक से समझते हैं। यदि हम पर दुःख का पहाड़ आया और हमने जैसे तैसे उसका सामना किया, ठीक वैसे ही - जब किसी पर दुःख आये तो हम उसी भाव से उसे समझें। वरना इस दुनिया में ऐसे लोग ज्यादा है, जो कहते हैं - फूल आहिस्ते तोड़ो - फूल बड़े नाजुक है। इसे ही कहते हैं - दुहरा जीवन। सबका जीवन मूल्यवान है। हमारी खुशी और दूसरों की सफलता हमारे जीवन की उन्नति में वरदान सिद्ध हो सकती है। अधिकांश दुःख, परेशानी, पीड़ा, दर्द हमारी सोच पर निर्भर करते हैं। विचारों और भावनाओं के इन दो रूपों की तुलना हमें दूसरों के सुख शान्ति कल्याण के अनमोल जीवन बनाने में कारण बनेगी। तीन मित्र धन की खोज में घुम रहे थे। चलते चलते अचानक एक मित्र को चांदी की खान दिख गई ओर वह कहते कहते चला गया - हमको हमारा मुकाम मिल गया। दूसरा मित्र उदास परेशान होकर आगे चला जा रहा था कि अचानक उसे भी सोने की खान दिखाई दी ओर वह खुशी से झूम गया और खदान में पहुंच गया। तीसरा मित्र - मरता क्या ना करता, रोते बिलखते, पैर पटकते हुये चला जा रहा था कि अचानक उसे हीरे की खदान दिखी और वह देखते ही बावला हो गया। जिसके भाग्य में जो था वह उसको मिल गया। इसलिए किसी की खुशनसीबी से अपने आप को हैरान-परेशान मत करो बल्कि सोचो --परमात्मा के पास देर है अन्धेर नहीं...! **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

पेंशनर्स दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों, गुरुजनों का सम्मान

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी द्वारा दिनांक 17/12/25 बुधवार को सुबह 11/30 बजे पेंशनर्स दिवस पर वरिष्ठ नागरिक सम्मान के तहत गोवर्धन नाथ द्वार स्थित वरिष्ठ नागरिक भवन मे राजस्थान पेंशनर्स समाज उप शाखा अध्यक्ष वीर जीवन सिंह राठौर, सचिव वीर नंद किशोर बिडसर, कोषाध्यक्ष भंवरलाल पारीक व सभी वरिष्ठ जन व गुरुजनों का तिलक माला व मुंह मीठा करवाकर सम्मान करते संस्था के जोन सचिव वीर कैलाश चन्द जैन, अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, वीरा अध्यक्ष वीरा सरोज पाटनी, युवा अध्यक्ष वीर आनंद सेठी, सचिव विकास पाटनी, वीर कमल गोड, वीर तेज कुमार बडजात्या, वीर विजय कुमार जैन, वीर सम्पत बगडिया, वीर ,वीरा सुनिता वीरा कल्पना जैन ने स्वागत सम्मान किया व गुरुजनो से आशीर्वाद लिया। साथ ही संस्था के पेंशनर्स वीर सोहनलाल वर्मा, वीर सुनिल माथुर, वीर सुरेश गोड , वीर भानु प्रकाश ओचित्य, गिरिराज शर्मा संस्था की प्रेरणा से देहदानी प्रकाश बहेडा (मरणोपरांत मानव सेवार्थ देह दान) का भी सराहनीय सहयोग रहा। -**वीर सुभाष पहाडिया**

तिजारा, बड़ागांव एवं हस्तिनापुर तीर्थ क्षेत्रों का भ्रमण कर बटेश्वर पहुंचे

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि वंदना यात्रा संघ भीलवाड़ा द्वारा तिजारा, बड़ागांव एवं हस्तिनापुर तीर्थ यात्रा करते बटेश्वर पहुंचे। प्रचार संयोजक प्रकाश पाटनी ने बताया कि 15 दिसंबर को भीलवाड़ा से सायं यात्रा के लिए निकले। तिजारा पहुंचकर श्री चंदा प्रभु भगवान के दर्शन कर श्री दिगंबर जैन त्रिलोक धाम बड़ा गांव अतिशय तीर्थ पहुंचकर 14 मंजिल स्थित त्रिलोक तीर्थ धाम मंदिरो, बाहुबली दिगंबर जैन मंदिर ,पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,इत्यादि मंदिरों के दर्शन किए। तत्पश्यात श्री शांतिनाथ, कुंन्थुनाथ, अरहनाथ भगवान के जन्म स्थल हस्तिनापुर पहुंचे। जहां आर्यिकारत्न श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा आशीर्वाद से बने सुमेर पर्वत, त्रिकाल मंदिर व श्री शांतिनाथ, कुन्थुनाथ एवं हरहनाथ भगवान व चार दिगंबर जैन नसिया मंदिरों पर पहुंच कर जिनेंद्र देव के दर्शन कर श्री पार्श्वनाथ भगवान के केवल ज्ञान अहिक्षेत्र क्षेत्र पहुंच कर सभी यात्रियों ने अर्ग समर्पण किए। यात्रा के संयोजक राजेंद्र सोगानी ने बताया कि आज बटेश्वर पहुंच कर रात्रि विश्राम करेंगे।

कोई परिवार के लिए बहू... तो कोई दामाद ढूंढने आईं सम्मेलन में

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

भोपाल। विश्व प्रसिद्ध सबसे बड़ा युवक युवती दिगंबर जैन परिचय सम्मेलन के तीसरे और अंतिम दिन सम्मेलन में देश-विदेश से और प्रदेश भर से आए प्रत्याशियों ने बेबाकी के साथ अपने -अपने अंदाज में परिचय दिया। बहुत से युवक एवं युवती प्रत्याशी आत्मविश्वास से भरे नजर आएं और बहुरंगी प्रकाशित स्मारिका के माध्यम से अभिभावकों ने एक दूसरे से मिल कर जानकारी ली। तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान युवक-युवती एवं परिवारजनों का मिलन का सिलसिला निरंतर जारी रहा। इस सम्मेलन के अंतिम दिन बहुत अधिक भीड़ देखने का मिली। समिति के इंदौर संयोजक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि अंतिम दिन लगभग 450 से अधिक प्रत्याशियों ने अपना परिचय मंच से दिया। सम्मेलन के महामंत्री इंजीनियर विनोद जैन ने बताया कि जैन युवक-युवती सम्मेलन अपने आप में अनोखा एवं राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन है जिसके माध्यम से युवा अपने जीवन साथी का चयन प्रत्यक्ष या स्मारिका के माध्यम से चुनते हैं। इस परिचय सम्मेलन में देश, विदेश से जैन समाज के उच्च शिक्षित, डाक्टर सीए सामान्य शिक्षित, प्रोफेशनल, व्यवसायी, सरकारी सेवारत युवक -युवती एवं उनके अभिवाक गण परस्पर परिचय एवं संवाद द्वारा योग्य जीवन साथी की तलाश मिलन स्मारिका के माध्यम से करेंगे। परिचय सम्मेलन के ब्रांड एंबेसडर मनोहर लाल टोंग्या जैन ने कहा कि समाज द्वारा विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन का निरंतर 32 वर्षों से आयोजन हमारी समिति का सराहनीय कार्य है। एवं भारत वर्षीय जैन समाज की पहली पसंद बन गया है। समाज के बच्चे समाज में योग्य जीवन साथी की तलाश में यह परिचय सम्मेलन एक माध्यम बन गया है। और यह कार्य समाज के लिए पुनीत कार्य है।

जैन प्रीमियर लीग-5 क्रिकेट लीग

सीकर सुपरकिंग्स बनी चैंपियन, रोमांचक फाइनल में महावीर के वीर को हराया

सीकर. शाबाश इंडिया

स्थानीय जैन भवन में चल रहे जैन समाज की प्रतिष्ठित 'JPL-5 चार दिवसीय अंडर आर्म डे-नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। फाइनल के कड़े मुकाबले में समाज की टीम सीकर सुपरकिंग्स ने टीम महावीर के वीर को 11 रनों से शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया । आयोजक रितेश रारा और अंशु काला ने जानकारी दी कि फाइनल मैच के हीरो जलज रारा रहे , जिन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया । पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए अभिषेक जैन को 'बेस्ट बैट्समैन' और सिद्धार्थ दीवान को 'बेस्ट बॉलर' के खिताब से नवाजा गया। आयोजक बंटी पिराका और अभय सेठी ने बताया कि इस आयोजन की सफलता में मुख्य प्रायोजक प्रदीप बाकलीवाल, श्रीमती सन्तोष देवी प्रतीक पहाड़िया, अनुभव सेठी और योगेश बाकलीवाल, नरेश कालिका, अनिल पालवास, अमित काला, विमल झांझरी, सुरेश सेठी मीरन, सिद्धार्थ दीवान का विशेष सहयोग रहा। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि समापन समारोह में कप्तान अनिल दीवान और सीकर सुपरकिंग्स की टीम ने आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया ।

वेद ज्ञान

वास्तु शास्त्र में तांबे का चमत्कारी प्रभाव

वैज्ञानिक दृष्टि से तांबा शरीर के लिए उपयोगी धातु माना जाता है। यह जल शुद्धिकरण से लेकर पोषण तक में सहायक माना गया है। वहीं, वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में तांबे को ऊर्जा संतुलन, नकारात्मकता निवारण और ग्रहदोष शमन से जोड़ा गया है। मान्यता है कि शुद्ध तांबे का सही तरीके से उपयोग करने पर यह जीवन की अनेक बाधाओं को कम कर सकता है। हालांकि, किसी भी उपाय को अपनाने से पहले शुद्धता, दिशा और विधि का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि आपके घर में वास्तुदोष के कारण बार-बार बाधाएँ, तनाव या पारिवारिक अशांति बनी रहती है, तो वास्तु के अनुसार घर में चौकोर तांबे का टुकड़ा रखना लाभकारी माना जाता है। इसे स्वच्छ स्थान पर, पूजा कक्ष या लिविंग एरिया में रखें। मान्यता है कि इससे घर की ऊर्जा संतुलित होती है और नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु का सबसे संवेदनशील भाग माना जाता है। यदि द्वार की दिशा या बनावट में दोष है, तो तांबे के सिक्के धागे में पिरोकर दरवाजे के ऊपर या किनारे लटकाने की परंपरा है। कहा जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश रुकता है और सकारात्मक प्रवाह बढ़ता है। वास्तु के अनुसार यदि घर की दक्षिण दिशा में दोष हो, तो ठोस तांबे का पिरामिड उस दिशा में रखने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि पिरामिड की संरचना ऊर्जा को संतुलित करती है, जिससे घर में स्थिरता और सकारात्मकता बनी रहती है। छोटे बच्चों को बार-बार नजर लगने की शिकायत में लोक-मान्यता के अनुसार तांबे के सिक्के में छेद कर काले धागे में पिरोकर बच्चे को पहनाया जाता है। माना जाता है कि यह नकारात्मक दृष्टि से सुरक्षा प्रदान करता है। इस उपाय में स्वच्छता और बच्चे की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। ज्योतिष में तांबा सूर्य से जुड़ा माना जाता है। तांबे की अंगूठी पहनने से सूर्य दोष में कमी आने और आत्मविश्वास, मान-सम्मान व प्रतिष्ठा में वृद्धि की मान्यता है। इसे धारण करते समय उंगली और समय (दिन) के नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

संपादकीय

'जी राम जी' राजनीति या विकास की नई दिशा?

केंद्र सरकार ने लोकसभा में एक विवादास्पद विधेयक पेश किया है, जिसके तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को पूरी तरह बदलकर ''विकसित भारत-जी राम जी'' (वीबी जी राम जी) योजना बनाया जा रहा है। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी विधेयक, 2025 पेश किया, जो मनरेगा अधिनियम 2005 को

निरस्त कर देगा। सरकार इसे विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़कर ग्रामीण विकास की नई शुरूआत बता रही है, जबकि विपक्ष इसे महात्मा गांधी की विरासत पर हमला और पुरानी योजना का श्रेय लेने की कोशिश करार दे रहा है। मनरेगा, जिसे 2005 में यूपीए सरकार ने शुरू किया था, ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाली दुनिया की सबसे बड़ी योजनाओं में गिनी जाती है। इस योजना ने करोड़ों ग्रामीण परिवारों को संकट के समय सहारा दिया और पलायन रोकने में अहम भूमिका निभाई। अब प्रस्तावित नए विधेयक में कई संरचनात्मक बदलाव किए गए हैं। रोजगार के वार्षिक दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 करने का प्रावधान है। साथ ही, एआई आधारित निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग, डिजिटल ऑडिट और रियल-टाइम डैशबोर्ड जैसे उपाय जोड़कर पारदर्शिता बढ़ाने का दावा किया गया है। फंडिंग पैटर्न भी बदलेगा—अब केंद्र 60 प्रतिशत और राज्य 40 प्रतिशत खर्च वहन करेंगे, जबकि पहले मजदूरी का पूरा बोझ केंद्र पर था। सरकार का तर्क है कि इससे फर्जीवाड़ा रुकेगा और कार्यों को चार प्राथमिक क्षेत्रों कृषि, जल संरक्षण, आजीविका और इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ा जा सकेगा। सदन में बहस के दौरान मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी देश के दिलों में बसते हैं और योजना का नाम बदलना उनका अपमान नहीं है। उन्होंने उदाहरण दिया कि पहले जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला गया था, तब नेहरू जी का अपमान नहीं हुआ। सरकार के मुताबिक, यह बदलाव गरीबों के कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए है लेकिन विपक्ष का रुख कड़ा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सवाल उठाया कि हर योजना का नाम बदलने की सनक क्यों है, जबकि इससे जॉब कार्ड, स्टेशनरी और प्रचार सामग्री बदलने में करोड़ों रुपये खर्च होंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश और शशि थरूर ने इसे गांधीजी की विचारधारा पर हमला बताया। थरूर ने कहा कि ग्राम स्वराज और राम राज्य गांधीजी की सोच के दो स्तंभ थे, और इन्हें अलग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। समाजवादी पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन ने तीखा तंज कसते हुए नामकरण पर सवाल उठाए, जबकि अखिलेश यादव सहित अन्य विपक्षी नेताओं ने इसे गरीब विरोधी बताया। उनका कहना है कि राज्यों पर बढ़ता वित्तीय बोझ और मांग-आधारित रोजगार की गारंटी कमजोर पड़ सकती है। दरअसल, 2014 के बाद कई योजनाओं के नाम बदले गए—निर्मल भारत से स्वच्छ भारत, इंदिरा आवास से प्रधानमंत्री आवास योजना और राजीव ग्रामीण विद्युतीकरण से दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कैसे रुकेगी रुपए की गिरावट?

डा. वरिंदर भाटिया

भारतीय रुपए में जारी गिरावट इन दिनों गंभीर चिंता और चर्चा का विषय बनी हुई है। 11 दिसंबर 2025 को डॉलर के मुकाबले रुपया 90.51 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले साल के 84.85 के स्तर से करीब 7 फीसदी की गिरावट दशार्ता है। यह गिरावट केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर आम आदमी की जेब और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अमेरिकी टैरिफ, विदेशी निवेश में कमी और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने रुपए को भारी दबाव में डाल दिया है। 1991 के संकट की आहट रुपए की यह ऐतिहासिक गिरावट भारत के आर्थिक इतिहास के एक काले अध्याय की याद ताजा करती है। यह पहली बार नहीं है जब भारत 'करेंसी शॉक' का सामना कर रहा है। 1991 में भारत को सबसे बड़ा आर्थिक झटका लगा था, जब देश दिवालिया होने की कगार पर था। विदेशी मुद्रा भंडार इतना कम हो गया था कि केवल दो-तीन हफ्तों के आयात के लिए ही पैसा बचा था। अंतर्राष्ट्रीय कर्जदाताओं का भरोसा टूट चुका था। उस समय सरकार को एक कठोर फैसला लेते हुए बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान के पास लगभग 67 टन सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि $600 मिलियन का आपातकालीन फंड जुटाया जा सके। हालांकि, उस संकट के बाद आईएमएफ की शर्तों और पीवी नरसिम्हा राव व डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में हुए आर्थिक सुधारों ने भारत की दिशा बदल दी। लाइसेंस राज खत्म हुआ और उदारीकरण का दौर शुरू हुआ। लेकिन आज फिर रुपए पर गहराता संकट चिंताजनक है। रुपए की गिरावट का अर्थशास्त्र रुपए और डॉलर का विनिमय दर 'फॉरेक्स मार्केट' में तय होता है। यह मांग और आपूर्ति के नियम पर काम करता है। जब हम निर्यात कम और आयात ज्यादा करते हैं, तो हमें डॉलर में अधिक भुगतान करना पड़ता है। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसके अलावा, अगर अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकालकर वहां निवेश करते हैं, जिससे भारतीय बाजार से डॉलर बाहर जाता है और रुपया टूटता है।

आम आदमी पर सीधा प्रहार रुपए की कमजोरी का सीधा असर महंगाई के रूप में दिखता है:

महंगा ईंधन और परिवहन: भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है। रुपया टूटने से तेल आयात महंगा होता है, जिससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ती हैं। इसका सीधा असर ट्रांसपोर्ट और माल-ढुलाई पर पड़ता है, जिससे सब्जी, दूध और राशन जैसी रोजमर्रा की चीजें महंगी हो जाती हैं। **शिक्षा और विदेश यात्रा:** विदेशों में पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए यह दोहरी मार है। ट्यूशन फीस और रहने का खर्च डॉलर में होता है, जिससे अभिभावकों को लाखों रुपए अतिरिक्त चुकाने पड़ रहे हैं। **इलेक्ट्रॉनिक्स:** मोबाइल, टीवी और अन्य गैजेट्स के दाम भी बढ़ रहे हैं क्योंकि इनके कल-पुर्जे आयातित होते हैं। **किसे होता है फायदा?** सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि रुपए की गिरावट से निर्यातकों को फायदा होता है। आईटी सेक्टर, टेक्सटाइल और दवा कंपनियों को, जिन्हें विदेशों से डॉलर में भुगतान मिलता है, रुपए में बदलने पर अब ज्यादा रकम मिल रही है।

निष्कर्ष और समाधान: फिलहाल, बाजार को भारतीय रिजर्व बैंक से हस्तक्षेप की उम्मीद है। हालांकि, इस बार आरबीआई का दखल सीमित रहा है, जिससे गिरावट और तेज हुई है।

महामंत्र णमोकार का सुमिरन करते रहना चाहिये : आर्यिका दर्शना मति माताजी

जैन मुनि प्रज्ञान सागर महाराज का मंगल प्रवेश हुआ

निवाई. शाबाश इंडिया

उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित संत निवास नसियां जैन मंदिर में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शान्तिसागर जी महाराज के शताब्दी वर्ष के चलते शीतकालीन प्रवास पर वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज की शिष्या आर्यिका दर्शना मति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसी वस्तु को काटना अपने आप में स्वयं अमंगल है समझना यह है कि हम प्रायः कहते यह है कि समय बदल गया और समय के साथ बदलना हमें भी आवश्यक है किन्तु न चांद बदला है न सूर्य बदला है यदि बदली है तो इंसान की भावनाएं बदली है। आर्यिका माताजी ने शीतकालीन प्रवास के दौरान बुधवार को प्रवचन माला में कहा कि दैनिक जीवन में भी प्रातः उठते समय भोजन करने से पूर्व तथा रात्रि को सोने से पूर्व आप सर्व प्रथम भगवान का स्मरण करिए। यदि आप अपने जीवन का हर पल सुख शांति से बिताना चाहते हैं तो अपने प्रत्येक कार्य के पूर्व णमोकार महामंत्र का स्मरण करिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य में महामंत्र राज का सुमिरन करते रहना चाहिए तभी आपका जीवन मंगलमय बनेगा एवं तभी हमारी इस लोक से परलोक की संसार से मुक्ति तक की मंगलमय यात्रा सफल होगी। धर्म सभा का मंगलाचरण विमल सोगानी ने किया। समाजसेवी राजेश पंचोलिया विमल पाटनी एवं राकेश संधी ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज द्वारा अखिल भारतीय जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमल बाबू जैन एवं विनीत चांदवाड़ जयपुर का राजस्थानी परम्परा अनुसार साफा पहनाकर स्वागत किया गया। जैन समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि निवाई में आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं जैन मुनि हितेन्द्र सागर महाराज ने शांतिसागर स्मारक स्थल का अवलोकन किया जहां जैन आचार्य संघ ने आगामी जनवरी को आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह के तहत शांतिसागर स्मारक का अवलोकन किया। इस दौरान वात्सल्य वारिधि भक्त परिवार के जितेन्द्र चंवरिया सुशील गिन्दोडी.पवन बोहरा मोहित चंवरिया गोपाल कठमाणा अनिल भाणजा पारसमल बड़ागांव शंभु कठमाणा अरुण लटुरिया विमल पाटनी सुनील भाणजा राकेश संधी त्रिलोक रजवास आशीष चंवरिया राहुल बोहरा सहित कई श्रद्धालुओं ने शांतिसागर स्मारक का अवलोकन करवाया। प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि बुधवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज का सोधर्म इन्द्र समर कंथाली इन्दौर, पवन सनावद एवं राजेश पंचोलिया के द्वारा केलाश चंद अशोक कुमार एवं पवन बोहरा के निवास स्थान पर निर्विघ्न आहारचर्या सम्पन्न हुई जिसमें समाजसेवी महावीर प्रसाद पहाड़ी मनभरदेवी जैन मनीषा पहाड़ी मुकेश जैन सविता पहाड़ी एवं विक्रांत पहाड़ी ने प्रथम बार आचार्य श्री को श्री फल चडाक र दर्शनार्थ किया जहां आचार्य महाराज ने भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने बताया कि बुधवार को जैन मुनि प्रज्ञान सागर एवं मुनि प्रसिद्ध सागर महाराज संध का निवाई में गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ जहां श्रद्धालुओं ने विज्ञा तीर्थ गांव गुंसी से मंगल विहार करवाया गया।

अज्ञान-अंधकार को मिटाकर आत्म-ज्ञान की ओर ले जाता स्वाध्याय:आचार्य विनीत सागर

कामा. शाबाश इंडिया। कामवन के विजयमती त्यागी आश्रम में विराजमान दिगंबर जैनाचार्य विनीत सागर महाराज ने स्वाध्याय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जैन श्रावकों से नियमित प्रवचनों में कहा कि जैन धर्म में स्वाध्याय का अत्यधिक महत्त्व है क्योंकि यह अज्ञान-अंधकार को मिटाकर आत्म-ज्ञान की ओर ले जाता है, सम्यक ज्ञान प्रदान करता है, बुद्धि को निर्मल करता है, मन में अच्छे संस्कार भरता है, और अंततः कर्मों का क्षय कर मोक्ष मार्ग प्रशस्त करता है, जिससे जीवन में सही दिशा आती है और वासनाएँ क्षीण होती हैं। यह जैन साधना के बारह आंतरिक तपों में से एक है जो आत्म-साधना के लिए अनिवार्य है। स्वाध्याय परम तप है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर के जन्म और तप कल्याणक का बड़ा ही महत्व है ये आत्म- कल्याण और जगत-कल्याण के प्रतीक हैं, जन्म कल्याणक (गर्भ में आने से लेकर जन्म तक) एक शुद्ध और पवित्र आत्मा के अवतरण को दशार्ता है, जिससे पूरे जगत में शांति और सुख फैलती है, वहीं तप कल्याणक (दीक्षा और घोर तपस्या) आत्मिक शुद्धि और निर्वाण के मार्ग का आरंभ है, जो सांसारिक मोह-माया त्यागकर आत्म-ध्यान और कर्म-क्षय की प्रक्रिया को दशार्ता है, जिससे अन्य जीव भी प्रेरणा लेकर आत्म-कल्याण का मार्ग अपनाते हैं। आचार्य ने समझाते हुए कहा कि प्रत्येक जीव को अपने अमूल्य समय में से कुछ समय स्वाध्याय हेतु आवश्यक निकालना चाहिए यही कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है आचार्य के संघ में मुनि श्री अर्पण सागर महाराज भी है जो शीतकालीन वाचना हेतु विजय मती त्यागी आश्रम में विराजमान रहेंगे।

आडंबर और आगम-विरुद्ध आचरण करने वाले जैन साधु पर प्रश्न— दिगंबर व श्वेताम्बर आगमों के आलोक में विस्तृत विवेचन

आज जैन समाज के सामने यह यथार्थ प्रश्न खड़ा है कि यदि कोई साधु आडंबर, संग्रह, प्रतिष्ठा-लालसा, सत्ता-प्रदर्शन या आगम-विरुद्ध आचरण करता दिखाई दे, तो क्या उस पर प्रश्न उठाना मुनि-निंदा है। दिगंबर और श्वेताम्बर—दोनों परंपराओं के आगम स्पष्ट कहते हैं कि जैन धर्म व्यक्ति-पूजा नहीं, आचार-पूजा का धर्म है। साधु का वेश, पद या अनुयायियों की संख्या नहीं, उसका संयमी आचरण ही पूज्य है। श्वेताम्बर आगमों की स्पष्ट दिशा—आचारांग सूत्र साधु-जीवन की आधारशिला रखता है—अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और संयम। इनसे विचलन होने पर साधु-पद की गरिमा स्वयं क्षीण होती है। दशवैकालिक सूत्र में साधु को लोक-लज्जा, दिखावा और संग्रह से दूर रहने का उपदेश है तथा यह भी कि साधु का आचरण ऐसा हो जिससे श्रावक-श्राविकाओं की श्रद्धा निर्मल रहे; जो आचरण श्रद्धा को दूषित करे, वह साधु-धर्म नहीं। उत्तराध्ययन सूत्र यह भेद स्पष्ट करता है कि बाह्य वेश से साधु नहीं बनता; आंतरिक संयम और शुद्ध भाव ही मापदंड हैं। निशीथ सूत्र में संघ-शुद्धि का विधान है—दोष होने पर उपदेश, अनुशासन और प्रायश्चित्त; अर्थात दोष पर मौन नहीं, सुधार। दिगंबर आगमों की दृढ़ शिक्षा—मूलाचार (वट्टकेर) मुनि के लिए निराडंबरता, अपरिग्रह और लोक-आकर्षण से विरक्ति को अनिवार्य बताता है; आडंबर को पतन का कारण कहा गया है। आचार-सार (कुंदकुंदाचार्य) में स्पष्ट है कि आचार ही धर्म है; आचार-हीन साधु नाममात्र है। समयसार भाव-शुद्धि पर बल देता है और अंध-आदर का निषेध करता है—जहाँ भाव गिरा, वहाँ नाम व्यर्थ। तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वामी), जिसे दोनों परंपराएँ मान्य मानती हैं, सम्यग्दर्शन को विवेक कहता है; मिथ्यात्व से कर्मबंधन और विवेक से कर्मक्षय होता है। विवेक का अर्थ है—सत्य को सत्य और असत्य को असत्य कहना, अहिंसा और मर्यादा के साथ। मुनि-निंदा बनाम दोष-निरूपण—आगमों के अनुसार मुनि-निंदा तब है जब किसी सदाचारी, संयमी, आगमपरायण साधु के गुणों का द्वेषपूर्वक अपमान किया जाए। किंतु जो साधु आगम-विरुद्ध आचरण करे, उसके दोष का शास्त्रीय, तथ्यपरक और सुधार-भाव से निरूपण निंदा नहीं, धर्म-रक्षा है। दशवैकालिक और मूलाचार—दोनों की अंतर्धारा यही है कि दोष छिपाना संघ को कमजोर करता है, जबकि शुद्धि संघ को सुदृढ़ बनाती है।

दुर्गति का भय और उसका आगमिक परीक्षण

आज प्रश्न उठाने पर दुर्गति, नरक और पाप का भय दिखाया जाता है। आगम बताते हैं कि कर्मबंधन का कारण कषाय, असंयम और मिथ्यात्व है; सत्य-निवेदन, विनय और अहिंसक सुधार कर्मबंधन नहीं, कर्मक्षय की दिशा है। भय दिखाकर प्रश्न दबाना सधार्मिक के विवेक का शोषण है और यह स्वयं आगम-विरुद्ध प्रवृत्ति है।

व्यावहारिक मर्यादा—कैसे प्रश्न उठाएँ—आगम-सम्मत मार्ग यह है कि पहले विनयपूर्वक व्यक्तिगत निवेदन हो, फिर तथ्य और शास्त्र के साथ संघ के समक्ष बात रखी जाए, और यदि आवश्यक हो तो समाज को शांति, करुणा और अहिंसा के साथ जागरूक किया जाए। अपमान, कटुता या हिंसा नहीं—केवल सत्य, शास्त्र और सुधार-भाव।

निष्कर्ष—दिगंबर और श्वेताम्बर—दोनों पंथ एक स्वर में कहते हैं कि साधु स्वयं आगम का अनुशासन है; अनुशासन टूटे तो प्रश्न उठना धर्म-द्रोह नहीं, धर्म-सेवा है। विरोध का अर्थ विद्रोह नहीं, शुद्धि है; लक्ष्य व्यक्ति को गिराना नहीं, धर्म को बचाना है। न डर से चुप रहना, न द्वेष से बोलना—बल्कि विवेक, मर्यादा और आगम-प्रमाण के साथ गलत का विरोध करना ही सच्चा जैन भाव है।

—नितिन जैन, संयोजक—जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष—अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

प्राणी कल्याण कार्यों के लिए 21 हजार का चेक दिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जन मंच ट्रस्ट संचालित जीव दया के पुनीत केंद्र पक्षी चिकित्सालय में श्री जैन श्वेतांबर संस्था वासुपूज्य मंदिर मालवीय सभा आयोजित हुई। सभा में अध्यक्ष शरद कांकरिया, वरिष्ठ पदाधिकारी नरेंद्र जैन, महेंद्र जैन, अशोक जैन, भूपेश सिंघवी, राजेश लसोड, तथा प्रवीण भंडारी ने प्राणी कल्याण कार्यों के लिए 21 हजार का चेक पक्षी चिकित्सालय को भेंट किया। इस अवसर पर पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन ने पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से आह्वान किया कि पर्यावरण बचाने के लिए पक्षियों का बचाना बहुत आवश्यक है। अध्यक्ष कांकरिया ने सभी जैन सोशल ग्रुप और जैन संस्थाओं से आह्वान किया कि सभी फंड का सदुपयोग जीव दया के लिए करें। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की ओर से संचालित पक्षी चिकित्सालय देश ही नहीं दुनिया के विशिष्ट जीव दया केंद्र के रूप में अपनी पहचान रखता है। यहां प्रतिदिन 30-40 पक्षी इलाज और सेवा के लिए आते हैं। जनवरी माह में पतंग डोर के कारण असंख्य पक्षियों की सेवा इस केंद्र के द्वारा हो रही है।

रिलायंस जियो ने हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स लॉन्च किए, 5G, ओटीटी और एआई अनुभव एक साथ

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने नए साल के अवसर पर हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स की घोषणा की है। इन ऑफर्स के जरिए जियो ने किफायती दरों पर उन्नत डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। अनलिमिटेड 5G, लंबी वैधता, प्रीमियम ओटीटी कंटेंट और एआई सुविधाओं के साथ ये प्लान ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और एंटरटेनमेंट अनुभव देने के उद्देश्य से पेश किए गए हैं।इन ऑफर्स के तहत ₹3599 का हीरो एनुअल रिचार्ज पेश किया गया है, जिसमें 365 दिनों की वैधता के साथ अनलिमिटेड 5G, प्रतिदिन 2.5 GB हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। इसके साथ गूगल जेमिनी का 18 महीने का Pro Plan भी दिया जा रहा है, जिसकी अनुमानित कीमत ₹35,100 है।वहीं ₹500 का सुपर सेलिब्रेशन मंथली प्लान 28 दिनों की वैधता के साथ अनलिमिटेड 5G, प्रतिदिन 2 GB डेटा और कॉलिंग सुविधाएं देता है। इसमें यूट्यूब प्रीमियम, जियो हॉटस्टार, अमेज़न प्राइम वीडियो मोबाइल एडिशन, सोनी लिव, ज़ी5 सहित 15 से अधिक ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और गूगल जेमिनी का 18 महीने का प्रो प्लान शामिल है। इसके अलावा ₹103 का फ्लेक्सी पैक 28 दिनों के लिए 5 GB डेटा के साथ हिंदी, इंटरनेशनल या रीजनल एंटरटेनमेंट पैक चुनने की सुविधा देता है।

जयपुर में "एक शाम देशभक्ति के नाम": ऑपरेशन सिंदूर के वीर चक्र विजेता ग्रुप कैप्टन अनिमेष जैन पाटनी का होगा भव्य सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर निवासी भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और ऑपरेशन सिंदूर में अदम्य साहस का परिचय देने वाले वीर चक्र विजेता अनिमेष जैन पाटनी के सम्मान में 22 दिसंबर को जयपुर के नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसिया के तोतूका सभागार में भव्य देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि एक शाम देशभक्ति के नाम शीर्षक से होने वाले इस कार्यक्रम की शुरूआत शाम 7:30 बजे होगी, राष्ट्र भक्ति को समर्पित इस कार्यक्रम में अनिमेष पाटनी का उनके परिवार सहित सामूहिक अभिनंदन समाज की विभिन्न संस्थाओं परिवारों द्वारा किया जाएगा। ऑपरेशन 'सिंदूर 1.0' की असली सफलता राजस्थान के जयपुर निवासी भारत की वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी की अद्भुत योजना और

S-400 सिस्टम के मास्टर संचालन से मिली। S-400 इस युद्ध का निर्णायक गेम चेंजर था। पाटनी ने अपनी बुद्धिमत्ता से पाकिस्तान- चीन की संयुक्त रणनीति को एक-एक कदम पर फेल किया। आपको भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं उपस्थित होकर इस साहसिक कार्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सबसे बड़ा कारनामा तब हुआ जब S-400 ने 314 किमी दूर पाकिस्तानी विमान (हवाई रेडार सिस्टम) को मार गिराया—जो दुनिया का नया रिकॉर्ड बना। भक्ति संध्या में जयपुर के जैन एवं अजैन समाज की विभिन्न संस्थाएं और परिवार सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में **Avi Raag Band International** द्वारा देशभक्ति संगीत प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि मंच संचालन सुश्री आशिका एवं निष्ठा जैन करेंगी। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में भक्तामर विधान और आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज की महापूजन के दौरान किया गया। इस मौके पर संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद जैन छाबड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। गौरतलब है कि भारत सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में असाधारण वीरता के लिए ग्रुप कैप्टन अनिमेष जैन पाटनी को सेना के तीसरे सर्वोच्च सम्मान ''वीर चक्र'' से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम के समन्वयक समाचार सार चैनल हैड गौतम जैन ने बताया कि यह आयोजन न केवल एक वीर सैनिक का सम्मान है, बल्कि राष्ट्रभक्ति, त्याग और शौर्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सामूहिक संकल्प भी है। **-विनोद जैन कोटखावदा**

पीएम श्री राजकीय विद्यालय रावतसर द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत सूरतगढ़ थर्मल का औद्योगिक भ्रमण

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया, थर्मल पावर प्लांट की कार्यप्रणाली तथा औद्योगिक वातावरण से प्रत्यक्ष परिचय कराना था। भ्रमण के दौरान थर्मल पावर प्लांट में कार्यरत विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न इकाइयों, मशीनों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को थर्मल पावर प्लांट में संचालित गतिविधियों के बारे में सरल एवं व्यवहारिक तरीके से समझाया गया, जिससे उनमें व्यावसायिक एवं तकनीकी समझ का विकास हुआ। विद्यालय से भ्रमण के लिए प्रस्थान के अवसर पर प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़, अजय प्रताप सिंह एवं राजीव गोदारा की उपस्थिति में बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ऐसे औद्योगिक भ्रमणों को भविष्य के लिए उपयोगी बताया। इस औद्योगिक भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ प्रभारी शिक्षक के रूप में किरन निवाद, रमेश कुमार, सतीश कुमार एवं रेणु उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया एवं व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त बनाने हेतु इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने की बात कही।

सिख जागृति के संपादक ओंकार सिंह ने संजय कुमार का जयपुर पधारने पर अभिनंदन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध प्सेफोलॉजिस्ट संजय कुमार का सिख जागृति के मुख्य संपादक ओंकार सिंह ने अपने निवास जवाहर नगर पर अभिनंद किया । संजय कुमार टीवी के विभिन्न चैनलों पर चुनावों के स्टीक विश्लेषण के कारण चर्चा में रहते हैं। कई किताबों का लेखन करने वाले संजय कुमार लोकनीति कार्यक्रम के सह-निदेशक भी हैं। सेंटर फॉर दी स्टडी ऑफ डवलपिंग सोसायटीज में प्रोफेसर भी हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमफिल किए संजय कुमार दैनिक भास्कर सहित कई अखबारों के नियमित स्तंभकार भी हैं। उनके लेखों में देश के चुनावों में मतदाताओं की रुचि और पार्टियों प्रति उनकी सोच का सटीक एवं वगीर्कृत विश्लेषण होता है। सिख जाग्रति के संपादक ओंकार सिंह ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए राजनीति पार्टीयों द्वारा दिए गए प्रलोभनों से लोकतंत्र व्यवस्था कैसे छिन्न-भिन्न हो रही है आदि मुद्दों पर संजय कुमार से चर्चा की। हाल ही में संजय कुमार को अंग्रेजी के दो अखबारों में त्रुटिवश छपे आंकड़ों पर सुप्रीम कोर्ट ने दर्ज केस में जमानत दी है। संजय कुमार ने गलत छपे आंकड़ों पर सफाई देते हुवे माफी भी मांग ली थी उसके बावजूद भी एफआईआर दर्ज की गई ।

श्री प्राज्ञ जैन महिला मंडल कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री प्राज्ञजैन महिला मंडल की कार्यकारिणी की बैठक प्राज्ञ भवन, रोडवेज बस स्टैंड के पास आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत नवकार मंत्र के सामूहिक जाप से हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्रीमती मधु मेड़तवाल ने की। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती मधु लोढ़ा सहित संरक्षिकाएँ श्रीमती बसंता डांगी एवं श्रीमती सुनीता पिपाड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक में स्वाध्याय संघ की परीक्षाओं में अधिक से अधिक बहनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई तथा स्वाध्याय के प्रति प्रेरणा देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही स्वाध्याय में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विदुषी बहनों एवं मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाली बहनों के सम्मान कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जीव दया एवं मानव सेवा के अंतर्गत विद्यालयों में स्टेशनरी वितरण जैसे सेवा कार्यों पर भी सहमति बनी। इसके अतिरिक्त समाज में धार्मिक चेतना के प्रसार हेतु एक धार्मिक प्रदर्शनी (धार्मिक एग्जीबिशन) के प्रारूप पर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यकारिणी सदस्यों ने महिला मंडल की गतिविधियों को और अधिक सशक्त, संगठित एवं समाजोपयोगी बनाने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक का समापन सकारात्मक संकल्पों के साथ हुआ। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में संरक्षिका श्रीमती बसंता डांगी, श्रीमती सुनीता पिपाड़ा, अध्यक्ष श्रीमती मधु मेड़तवाल, मंत्री श्रीमती मधु लोढ़ा के साथ विमला खमेशरा, कांता चौधरी, अरुणा पोखरणा, सुशिला दुगड़, मधु साखला, स्नेहलता बोहरा, ज्योति पोखरणा, शालिनी पोखरणा, रश्मि साखला, नीलू पानगड़िया, किरण सेठी, नीलम सेठी, चंचल कोठारी, रेखा डांगी, इंद्रा डांगी, सीमा सिसोदिया, रजनी डोसी,शीतल डांगी, रचना पोखरणा, नीलू खटोड़, मंजू जामड नीलम नाहर, प्रतिभा बडोला ,लाड सिंघवी, लक्ष्मीबाई पोखरणा, संगीता पानगड़िया, पीकी कोठारी, अर्पिता खमेशरा, सुनीता बाघचार एवं चंदा सुराणा अंजू भंडारी सविता बाबेल रचना पोखरणा नीलू खटोड़ सुशीला नाहर मैंना लोढ़ा सीमा डॉगी डिंपल सिंघवी सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्याएँ उपस्थित रहीं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा विमंदित बच्चों को भोजन वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा एक विमंदित बच्चों के स्कूल निर्मल विवेक स्कूल के लगभग 150 बच्चों को भोजन वितरण का सेवा कार्य किया गया।उक्त अवसर पर क्लब सदस्याओं द्वारा पूरे स्कूल का निरीक्षण किया गया, व स्कूल के विमंदित बच्चों के द्वारा किये जाने वाले कलात्मक कार्यों को देखकर वहाँ के स्टाफ व शिक्षकों की भरपूर सराहना की गई, जिनके सहयोग, दया व समर्पण भाव से विमंदित बच्चों के जीवन की राह सुखमय बन रही है।हमारी उपस्थिति से सभी बच्चो के मुख पर एक आनंदमयी मुस्कान झलक रही थी। आज के इस कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष ला. सुजाता स्वर्णकार , कोषाध्यक्ष ला.मृदुला जैन व अन्य कई सदस्याओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अखिल दिगम्बर जैन गोलापूर्व महासमिति राजस्थान (रजिस्टर्ड) के द्विवर्षीय चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

डॉ.अरविन्द कुमार जैन बने अध्यक्ष एवं राजेश जैन शास्त्री महामंत्री

अध्यक्षः डॉ अरविंद कुमार जैन

महामंत्रीः राजेश कुमार जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया। संयम, त्याग और विद्वानों के लिए प्रसिद्ध गोलापूर्व दिगम्बर जैन समाज की संस्था अखिल दिगम्बर जैन गोलापूर्व महासमिति राजस्थान के द्विवार्षिक चुनाव परिणाम दि.- 16 दिसम्बर 2025 को चुनाव अधिकारी प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमल कुमार जैन एवं चुनाव पर्यवेक्षक दिनेश कुमार जैन (देशना कम्प्यूटर) के द्वारा घोषित किये गये। सभी पद निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए, जिसमें डॉ. शीतलचन्द जैन प्राचार्य का सफल मार्गदर्शन रहा। समग्र राजस्थान से 10 सदस्यीय कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं सदस्य पद चुनाव हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे। निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी इस प्रकार घोषित की गई - अध्यक्ष डॉ.अरविन्द कुमार जैन, उपाध्यक्ष हेमन्त कुमार जैन, कैलाशचन्द्र मलैया, महामंत्री राजेश जैन शास्त्री, मंत्री रमेश जैन जोवनेर, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार जैन; चार सदस्य- डॉ.भागचन्द जैन, प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न जैन शास्त्री, मनीष जैन प्रधानाचार्य एवं धीरेश जैन। महासमिति समाज में आपसी मेल-मिलाप के साथ शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार सहयोग के लिए कार्य करती है। बधाई देने वालों में डॉ. शीतलचन्द जैन प्राचार्य, प्रतिष्ठाचार्य डॉ. सनत कुमार जैन, प्रतिष्ठाचार्य डॉ.विमल जैन,डॉ. शोभालाल जैन, शीलचन्द जैन विराटनगर, संतोष कुमार वैद्य राजकुमार जैन उदयपुर, अजित जैन अलवर, पीयूष जैन शास्त्री, अनुराग जैन कालाडेरा, ज्ञानचन्द जैन, विनोदकुमार जैन सीकर, अखिलेश जैन अजमेर, संजय जैन, श्रीमती मोना जैन, श्रीमती पूनम जैन, अशोक जैन हमीरगढ़- भीलवाड़ा, राकेश जैन, शैलेश जैन, विनय जैन, भूपेंद्र जैन आदि प्रमुख थे। नवीन कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह दि.- 21 दिसंबर 2025 को होगा।

आमजन को लुभाती है रंग, भक्ति और परम्परा की ब्रज होली पर आधारित फोटो प्रदर्शनी

कैमरे की जुबानी वृंदावन, बरसाना और नंदगांव की जीवंत बानगी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अहमदाबाद के सेवानिवृत सिविल इंजीनियर फोटो चित्रकार मुकेश जे ठक्कर द्वारा एक साधक की मानिंद खींचे 50 से अधिक जीवंत दृश्यों की बानगी का शुभारंभ बुधवार को अंबामाता स्कीम स्थित टखमण कला दीर्घा में मुख्य अतिथि इंदौर के ख्यात छायाकार गुरुदास दुआ ने दीप प्रज्जवलित कर किया। ब्रज क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को समर्पित पांच दिनी विशेष फोटो प्रदर्शनी में वृंदावन, बरसाना और नंदगांव में मनाई जाने वाली ब्रज होली के को प्रदर्शित किया गया है। इसमें भगवान कृष्ण की लीला भूमि वृंदावन में मनाई जाने वाली अनूठी होली परम्पराओं को फोटोग्राफी के माध्यम से सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है। बरसाना और नंदगांव में खेली जाने वाली प्रसिद्ध लट्ठमार होली, मंदिर परिसरों में गोस्वामी समाज द्वारा गाए जाने वाले होरैया गीत और पारम्परिक नृत्य के दृश्य आमजन को लुभाते हैं। साथ ही यमुना घाट पर होने वाली संध्या आरती, रंगों से सराबोर श्रद्धालु और वृंदावन की गलियों की फोटोग्राफी भी इस पावन नगरी की आत्मा को उजागर करती है। यह प्रदर्शनी केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि ब्रज की उस सांस्कृतिक चेतना का दस्तावेज है, जो दर्शकों को ब्रज होली के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव से रूबरू कराती है। इस अवसर पर देवास के वरिष्ठ छायाकार कैलाश-गरिमा सोनी, उदयपुर के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी दिनेश कोठारी, वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट राकेश शर्मा ''राजदीप'' तथा गुजरात गौरव से सम्मानित छायाकार दिनेश पंचोली बतौर विशिष्ठ अतिथि उपस्थित थे। इनके अलावा योगगुरु सुरेश पालीवाल, अनीता दुआ, के एस सरदलिया, देवेन्द्र श्रीमाली, राजेन्द्र हिलोरिया, वरिष्ठ चित्रकार ललित शर्मा, संदीप पालीवाल, सीपी चौधरी, केनी सेन, सुबोध शर्मा, ममता मेहता सहित अनेक कला रसिक मौजूद थे। बता दें, यह प्रदर्शनी आमजन 21 दिसम्बर तक प्रतिदिन 11 से 7 बजे तक निःशुल्क देख सकते हैं।

रिपोर्ट/फोटोः
राकेश शर्मा 'राजदीप'

सडक सुरक्षा अभियान के तहत नसीराबाद में छात्र/ छात्राओं ने निकाली रैली

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सेंट मेरिज कान्वेंट स्कूल व बीर के तत्वाधान में छात्र छात्राओं की ओर से एक विशाल रैली निकाली गई । जो गांधी चौक से शुरू होकर शहीद स्मारक तक पहुंची। रैली की आरम्भ में सड़क सुरक्षा की शपथ दिलवाई गई। बच्चों ने पोस्टर बैनर के माध्यम से लोगो को रोड सेफ्टी की जानकारी दी। रैली के बीच छात्र छात्राओ ने नुक्कड़ नाटक की शानदार प्रस्तुति दी। जिसका उद्देश्य ''हेलमेट बोझ नही सुरक्षा के लिए है'' का संदेश दिया। स्कूल प्राचार्य सिस्टर अनुषा ने बताया कि बच्चों को यातायात नियमों का पालना का महत्व बताया तथा छात्र व छात्राओं व उनके अभिभावकों को सड़क सुरक्षा का संकल्प बताते हुए सतर्क रहने की अपील की। रैली में सिटी पुलिस थानाधिकारी पंकज कुमार, यातायात प्रभारी संपतलाल, प्रशान्त कुमार मेहरा, रवि भागनानी, जय किशन भागनानी आदि मौजूद रहे।

विनम्र सागर जी महाराज का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगम्बर जैन समाज के आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं नव आचार्य समय सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज ससघं का नसीराबाद में हुआ भव्य मंगल प्रवेश मुनि श्री ने आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज के समाधि स्थल के दर्शन किए। नसीराबाद सकल दिगम्बर जैन समाज के महिलाओं ,पुरुषों ने मुनि श्री की भव्य अगवानी की ज्ञान सागर महाराज की समाधि स्थल से मुख्य बाजार होते हुए भव्य जुलूस का आयोजन किया गया व महाराज जी का कई जगह आरती व पाद पक्षालन कर महाराज से आशीर्वाद लिया वही केसरिया साड़ी में महिला मंडल द्वारा ध्वज व मंगल कलश लेकर जुलूस में साथ चल रही थी मुनि श्री ने मुख्य बाजार स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर जी के समोसरण भवन में मंगल प्रवचन किया और कहा की आचार्य भगवन विद्यासागर जी महाराज की आचार्य पदस्थली एवं आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज के समाधि स्थल की इस पावन भूमि की रज को माथे पर लगाकर मन बहुत प्रफुलित हुआ। किशनगढ़ से आर के मार्बल ग्रुप के चेयरमैन अशोक जी पाटनी एवं सुशीला जी पाटनी के द्वारा मुनि श्री के दर्शन कर व श्रीफल भेंट कर किशनगढ़ आने का किया निवेदन।

जैन भवन शांति नगर में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

120 लोगों ने कराई विभिन्न जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन भवन शांति नगर में निःशुल्क बीएमडी टेस्ट डॉ प्रमोद जैन के संयोजन एवं निर्देशन में लगाया गया। शिविर का उद्घाटन प्रमुख समाज सेवी धर्मश्रेष्ठी राकेश जैन गोदिका संपादक शाबास इंडिया द्वारा किया गया एवं दीप प्रज्जवलन स्थानीय पूर्व पार्षद जय वशिष्ठ द्वारा किया गया। प्रबन्धकारिणी समिति के अध्यक्ष सुशील गोधा तथा मंत्री सुनील बिलाला ने बताया कि आज के निशुल्क बीएमडी टेस्ट एवं जांच शिविर में उत्साह पूर्वक एवं जागरूकता पूर्वक भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने भाग लिया। शिविर में 120 लोगों का बीएमडी टेस्ट हड्डियों में कैल्शियम की जांच की गई। 95 लोगों का यूरिक एसिड टेस्ट, 120 लोगों का ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर टेस्ट निशुल्क किया गया। इस शिविर में चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध समिति के सभी सदस्य महिला मंडल एवं युवा मंडल के सभी सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया। युवा मंडल मंत्री संजय बाकलीवाल एवं सभी सदस्यों ने इस पुनीत कार्य में सहयोग किया और अपनी सेवाएं प्रदान की आप सब का बहुत-बहुत धन्यवाद एवंआभार। शिविर में पधारे समाज के सभी वरिष्ठजनों का बहुत-बहुत आभार। आप सब स्वस्थ रहे निरोगी रहे।

संयम साधना जीवन का अनिवार्य अंग : विनिश्चय सागर महाराज

श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का गुरुवार को चित्रकूट कालोनी के महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का 13 वर्ष पश्चात जयपुर की पावन धरा पर मंगल प्रवेश हुआ है। श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री ससंघ के दर्शनों के लिए बुधवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पडी। आचार्य श्री ससंघ का गुरुवार 18 दिसंबर को प्रातः चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व आचार्यश्री ससंघ का श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर से प्रातः 8 बजे मंगल विहार होकर पिंजरा पोल गौशाला से विशाल जुलूस बनेगा।

विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक बुधवार को श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि " मंजिल मिल ही जाएगी भटकते भटकते गुमराह तो वो लोग है जो घर से नही निकलते" उन्होंने कहा कि संत जंगल में रहना अधिक पसंद करते हैं ताकि उनकी अधिक से अधिक कर्म की निर्जरा हो सके। उन्होंने कहा कि जिस तरह सेऊशेरनी का दूध स्वर्ण पात्र में ही सुरक्षित रह सकता है उसी तरह जिनवाणी का ज्ञान भी संयमी एवं विद्वानों के दिमाग में ही सुरक्षित रह सकता है। लोग आशीर्वाद से आगे की बात ही नहीं करते है। सब आशीर्वाद चाहते हैं। संयम साधना की बात कोई नही करना चाहता है जबकि संयम और साधना जीवन के अनिवार्य अंग है। इससे पूर्व आर्यिका विष्णु प्रभा माताजी ने मंगल प्रवचन में दान की महिमा बताई। इस मौके पर एस एफ एस दिगम्बर जैन समाज, इंजीनियर्रस कालोनी मान्यावास दिगम्बर जैन समाज ने श्रीफल भेट कर अल्प प्रवास के लिए निवेदन किया। धर्म सभा में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, श्योपुर अध्यक्ष दिलीप पाटनी, महामंत्री नेमी चन्द बाकलीवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक बाकलीवाल,चेतन जैन निमोडिया, मुकेश बनेठा, सतीश माधोराजपुरा, सोभाग मल जैन, लाल चन्द जैन, सुरेन्द्र जैन मनीष छाबड़ा, अनिल लुहाड़िया, सीए शुभम जैन, अंकित सोनी, पुलकित लुहाड़िया, रत्न प्रभा पापडीवाल, प्रेम लता बाकलीवाल, अमिता साह, दिव्या बाकलीवाल, मीनू जैन निमोडिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दोपहर में आचार्य श्री ससंघ ने प्रतापनगर के सैक्टर 17 स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त किए। सायंकाल 6.15 बजे आचार्य श्री के सानिध्य में श्योपुर में जिज्ञासा समाधान का भव्य कार्यक्रम हुआ। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ का गुरुवार को पिंजरा पोल गौशाला सांगानेर से विशाल जुलूस के रुप में बैण्ड बाजों के साथ श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। मंदिर दर्शन के बाद प्रातः 9.00 बजे धर्म सभा में आचार्य विनिश्चय सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। रात्रि विश्राम चित्रकूट कालोनी में ही होगा। प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का शुक्रवार 19 दिसम्बर को प्रातः एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व आचार्यश्री ससंघ चित्रकूट कालोनी से मंगल विहार कर तारों की कूट पेट्रोल पंप पहुचेगे जहां से बैण्ड बाजों द्वारा सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुच कर दर्शन लाभ प्राप्त करेगे। तत्पश्चात आचार्य श्री ससंघ ऋषभ मार्ग पर कोटखावदा हाऊस पहुचेगे जहां विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में कोटखावदा परिवार द्वारा आचार्य श्री ससंघ की पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की जाएगी। आचार्य श्री ससंघ का बी टू बाई पास होते हुए एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का दिल्ली, करनाल की ओर मंगल विहार चल रहा है। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ का जयपुर महानगर में विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में अल्प प्रवास के बाद इंजीनियर्रस कालोनी मानसरोवर,राणा जी की नसिया, चूलगिरी, आगरा रोड, दौसा, सिकन्दरा होते हुए दिल्ली होते हुए करनाल के लिए मंगल विहार होगा।